B-3
L-16
Indian Society

14/12/2023

पश्चिमी धर्मनिरपेक्षता एवं भारतीय धर्मनिरपेक्षता में अन्तर

⇩

1. पश्चिमी समाज में धर्मनिरपेक्षता -

मुख्यत: एक तर्कसंगत एवं आधुनिक हो रहे समाज से उत्पन्न।

जबकि

भारतीय धर्मनिरपेक्षता - मुख्यत: धर्मप्रधान समाज में राज्य द्वारा लागू

2. पश्चिमी धर्मनिरपेक्षता - राज्य पर चर्च के अत्यधिक प्रभाव ध्यान में रखकर,

जबकि भारतीय धर्मनिरपेक्षता - सहिष्णु एवं बहुधार्मिक भारतीय समाज की प्रकृति एवं तात्कालीन परिस्थितियों को ध्यान में रखकर

3. पश्चिमी धर्मनिरपेक्षता - सभी धर्मों के प्रति तटस्थता के सिद्धांत पर आधारित

जबकि भारतीय धर्मनिरपेक्षता सर्वधर्मसमभाव के सिद्धांत पर आधारित

4. पश्चिमी धर्मनिरपेक्षता - पूर्णत: अलगाववादी एवं नकारात्मक धर्मनिरपेक्षता

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

जबकि भारतीय धर्मनिरपेक्षता में- सभी धर्मों का सम्मान और अंतर-धार्मिक समानता पर बल

5. पश्चिमी धर्मनिरपेक्षता - राज्य और धर्म के बीच पूर्ण पृथकता पर बल

राज्य समर्थित जबकि भारतीय धर्मनिरपेक्षता में धार्मिक सुधार पर बल और इस हेतु राज्य के संतुलित हस्तक्षेप पर बल (उदाहरण - सबरीमाला मन्दिर मामला)

भारत में धर्मनिरपेक्षता / धर्मनिरपेक्षीकरण का प्रभात

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
KHAN SIR

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारत में धर्मनिरपेक्षता को पश्चिमी देशों के अर्थ से भिन्न रूपों में अपनाया गया, जहां राज्य सभी भारतीयों को अपनी-अपनी धार्मिक मान्यताओं का पालन करने की छूट देते हुये उन्हे संरक्षण प्रदान करता है तो वहीं दूसरी तरफ धर्मनिरपेक्ष शिक्षा के प्रचार-प्रसार द्वारा लोगों की सोच को तार्किक और वैज्ञानिक बनाकर एक आधुनिक समाज के निर्माण की दिशा में भी अग्रसर है।

आजादी के 75 वर्ष बीतने के बाद धर्मनिरपेक्षीकरण की उपरोक्त प्रक्रिया ने भारतीय सामाजिक जीवन को कई रूपों में प्रभावित किया है, जिन्हें निम्न बिन्दुओं के तहत देखा जा सकता है।

⇩

1. विश्व एवं समाज के प्रति लोगों का धार्मिक दृष्टिकोण कमजोर हुआ है।
2. धर्म आधारित मान्यतायें एवं विश्वास कमजोर हुआ है।
3. जाति व्यवस्था का कर्मकांडीय पक्ष कमजोर हुआ है।
4. विवाह का धार्मिक एवं संस्कारगत पक्ष कमजोर हुआ है।
5. धर्म द्वारा पोषित परम्परागत सामाजिक असमानतायें कमजोर हुई हैं।
6. निम्न जातियों एवं महिलाओं की प्रस्थिति में सुधार हुआ है।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

भारत में धर्मनिरपेक्षता की चुनौतियाँ

आजादी के बाद से भारतीय समाज में धर्मनिरपेक्षता और धर्मनिरपेक्षीकरण की प्रक्रिया क्रियाशील रही है परंतु कभी भी यह निर्बाध नहीं रही है और आज भी कई चुनौतियाँ या बाधाएँ हैं जो भारतीय धर्मनिरपेक्षता एवं धर्मनिरपेक्षीकरण की प्रक्रिया को बाधित कर रही हैं - जिनको निम्न बिन्दुओं के तहत देखा जा सकता है -

⇩

1. धर्मनिरपेक्षता की निश्चित एवं सार्वभौमिक परिभाषा का अभाव - i) गांधी के अनुसार - सर्वधर्म समभाव ही धर्मनिरपेक्षता है।
   ii) राधाकृष्णन के अनुसार - सभी धर्मों की समन्वयवादिता ही धर्मनिरपेक्षता है।
   iii) नेहरू के अनुसार - सभी धर्मों के प्रति तटस्थता ही धर्मनिरपेक्षता है।
2. राजनीतिक दलों द्वारा अपने - अपने अनुसार धर्मनिरपेक्षता का त्रुटिपूर्ण विश्लेषण
3. धार्मिक पुनः प्रवर्तनवाद, धार्मिक कट्टरवाद एवं साम्प्रदायिकता में वृद्धि

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
KHAN SIR

4. विभिन्न व्यक्तियों, संगठनों एवं राजनीतिक दलों की धर्मनिरपेक्षता विरोधी गतिविधियां

5. भारतीय समाज के लोगों में अपने धर्म एवं परंपरा से चिपके रहने की मनोवृत्ति है।

6. अल्पसंख्यक समुदाय में गरीबी, बेरोजगारी एवं निरक्षरता।

भारत में धर्मनिरपेक्षता को सफल बनाने हेतु सुझाव

1. धर्मनिरपेक्षता के अर्थ एवं संदर्भ को स्पष्ट किया जाये।

2. धर्मनिरपेक्षता को विचारधारा के स्तर पर मजबूत बनाया जाये।

3. आधुनिक शिक्षा एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण का तीव्र प्रसार किया जाये और इस दिशा में युवाओं, एनजीओ, मीडिया एवं सोशल मीडिया की भूमिका को मजबूत बनाया जाये।

4. समानुपातिक विकास एवं सामाजिक न्याय के लक्ष्य को प्राप्त किया जाये।

5. साम्प्रदायिक धार्मिक संस्था, साम्प्रदायिक राजनीतिक दल एवं साम्प्रदायिक व्यक्तियों पर कठोर प्रतिबंध लगाया जाये।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

6. धार्मिक प्रचार के अधिकार को सीमित किया जाये।

संभावित प्रश्न

1. भारत में धर्मनिरपेक्षता की संकल्पना एवं प्रकृति पर टिप्पणी कीजिए।

2. धर्मनिरपेक्षता की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए। भारत में इसे किस रूप में स्वीकार किया गया है।

3. भारत में धर्मनिरपेक्षता / धर्मनिरपेक्षीकरण की प्रक्रिया के सामाजिक प्रभावों की चर्चा कीजिए

4. भारत में धर्मनिरपेक्षता की समकालीन चुनौतियों को स्पष्ट कीजिए और धर्मनिरपेक्षता की प्रक्रिया को तीव्र करने हेतु सुझाव दीजिये।

5. "भारत में धर्मनिरपेक्षता एक कमजोर विचारधारा है।" चर्चा कीजिए।

6. भारत में धर्मनिरपेक्षता के सूचकों का वर्णन कीजिए। हाल के वर्षों में राजनीतिक दलों की कुछ एक गतिविधियों को संदर्भित करते हुए बतायें कि क्या भारत में इन सूचकों के अनुसार कार्य हो रहा है?

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

7. क्या भारत एक धर्मनिरपेक्ष राज्य है? हाल में भारत में हुए धर्मनिरपेक्षता विरोधी गतिविधियों के संदर्भ में अपना उत्तर दीजिए।

8. वैश्वीकरण की प्रक्रिया ने भारत में धर्मनिरपेक्षता को एक साथ मजबूत एवं कमजोर दोनों किया है। स्पष्ट कीजिए।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR